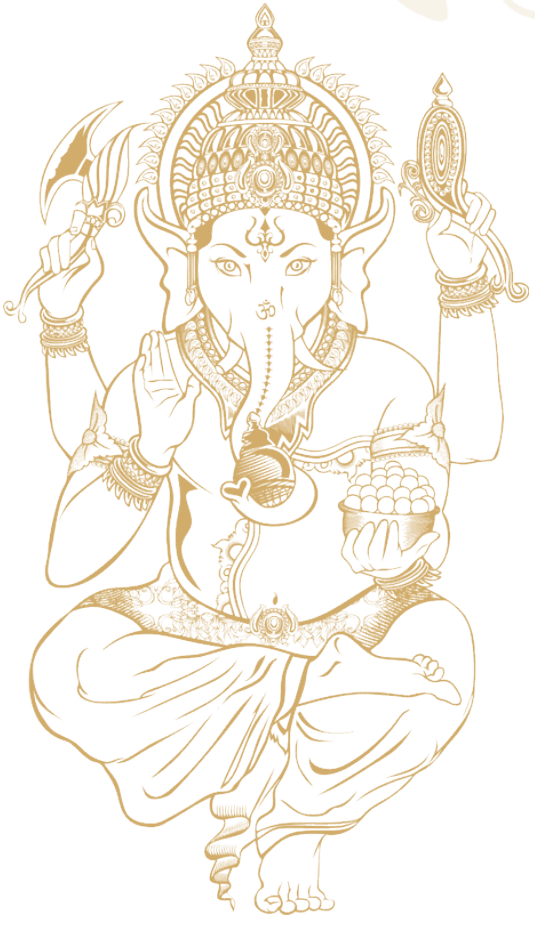

Bhart Singh

30 Sep 1992

08:45 AM

Pathankot

Model: web-freekundliweb

Order No: 120969502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/09/1992**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:45:00 घंटे**
इष्ट	06:01:12 घटी
स्थान	**Pathankot**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	32:16:00 उत्तर
रेखांश	75:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:17:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:01 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:21 घंटे
सूर्योदय	06:20:31 घंटे
सूर्यास्त	18:13:10 घंटे
दिनमान	11:52:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:27:25 कन्या
लग्न के अंश	13:13:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:13:16	302:01:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कन्या	13:27:25	00:58:59	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	02:42:29	13:30:11	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			मिथु	15:53:08	00:30:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	24:48:14	01:37:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु			कन्या	04:00:55	00:12:54	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	12:20:25	01:13:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	18:16:18	00:01:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	00:58:58	00:03:38	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	00:58:58	00:03:38	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	नीच राशि
हर्ष			धनु	20:18:20	00:00:22	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:25:20	00:00:05	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	27:24:13	00:01:52	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:22:32	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:37

लग्न-चलित

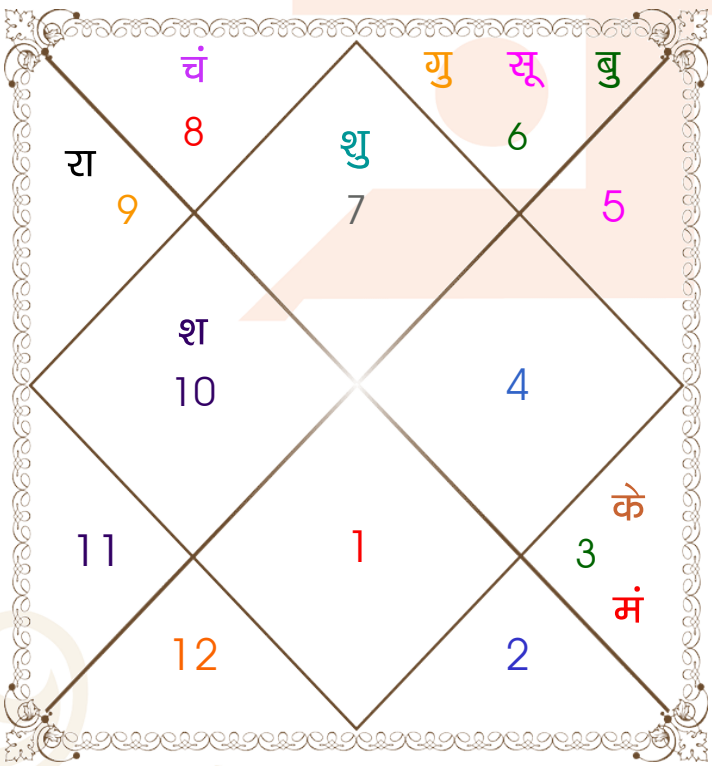

चन्द्र कुंडली

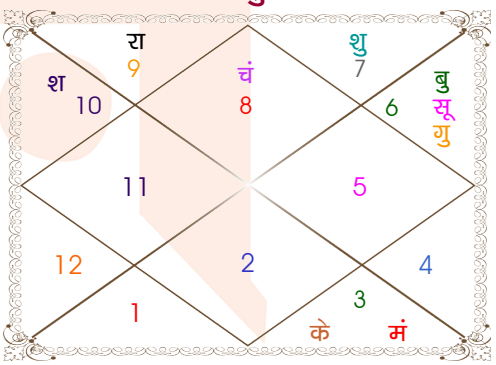

नवमांश कुंडली

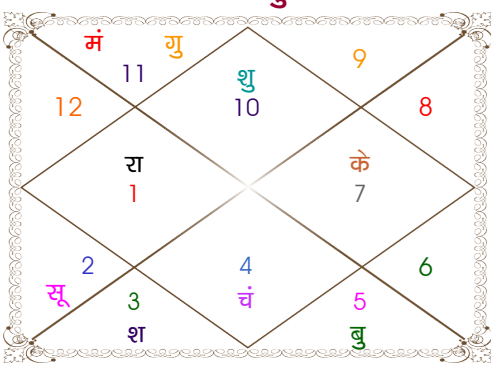

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 9 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/09/1992		01/07/1993		01/07/2012		01/07/2029		01/07/2036	
01/07/1993		01/07/2012		01/07/2029		01/07/2036		01/07/2056	
	00/00/0000	शनि	04/07/1996	बुध	27/11/2014	केतु	27/11/2029	शुक्र	31/10/2039
	00/00/0000	बुध	14/03/1999	केतु	25/11/2015	शुक्र	27/01/2031	सूर्य	30/10/2040
	00/00/0000	केतु	22/04/2000	शुक्र	24/09/2018	सूर्य	04/06/2031	चंद्र	01/07/2042
	00/00/0000	शुक्र	22/06/2003	सूर्य	01/08/2019	चंद्र	03/01/2032	मंगल	31/08/2043
	00/00/0000	सूर्य	03/06/2004	चंद्र	30/12/2020	मंगल	31/05/2032	राहु	31/08/2046
	00/00/0000	चंद्र	03/01/2006	मंगल	28/12/2021	राहु	19/06/2033	गुरु	01/05/2049
	00/00/0000	मंगल	11/02/2007	राहु	16/07/2024	गुरु	26/05/2034	शनि	01/07/2052
	30/09/1992	राहु	18/12/2009	गुरु	22/10/2026	शनि	04/07/2035	बुध	02/05/2055
राहु	01/07/1993	गुरु	01/07/2012	शनि	01/07/2029	बुध	01/07/2036	केतु	01/07/2056

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/07/2056		01/07/2062		01/07/2072		01/07/2079		01/07/2097	
01/07/2062		01/07/2072		01/07/2079		01/07/2097		01/10/2112	
सूर्य	18/10/2056	चंद्र	02/05/2063	मंगल	27/11/2072	राहु	14/03/2082	गुरु	19/08/2099
चंद्र	19/04/2057	मंगल	01/12/2063	राहु	15/12/2073	गुरु	06/08/2084	शनि	02/03/2102
मंगल	25/08/2057	राहु	31/05/2065	गुरु	21/11/2074	शनि	13/06/2087	बुध	07/06/2104
राहु	19/07/2058	गुरु	30/09/2066	शनि	31/12/2075	बुध	31/12/2089	केतु	14/05/2105
गुरु	08/05/2059	शनि	01/05/2068	बुध	27/12/2076	केतु	18/01/2091	शुक्र	13/01/2108
शनि	19/04/2060	बुध	30/09/2069	केतु	25/05/2077	शुक्र	18/01/2094	सूर्य	31/10/2108
बुध	23/02/2061	केतु	01/05/2070	शुक्र	26/07/2078	सूर्य	13/12/2094	चंद्र	02/03/2110
केतु	01/07/2061	शुक्र	31/12/2071	सूर्य	30/11/2078	चंद्र	12/06/2096	मंगल	06/02/2111
शुक्र	01/07/2062	सूर्य	01/07/2072	चंद्र	01/07/2079	मंगल	01/07/2097	राहु	01/10/2112

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।